नेतृत्व विकास शिविर 2012में भाग लेने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्रों की भेंट

महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का भाषण

स्थान :- भोपाल, दिनांक :- 28 जनवरी,2012, समय:- प्रात: 11 बजे

नेतृत्व विकास के लिये आयोजित राज्य स्तरीय शिविर में आये, आप सभी विद्यार्थियों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं, गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने पर बधाई।

प्रदेश के आदिवासी जिलों और विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य जिलों से, आये आप जैसे प्रतिभावान छात्र-छात्राओं से मिलकर, मुझे बहुत खुशी का अनुभव हो रहा है। बच्चों, यह समय आपका है और आने वाला समय भी आपका ही है। शासन आप लोगों के खुशहाल जीवन और उज्ज्वल भविष्य के लिए, हर सम्भव सहयोग करने के लिए तत्पर है। आपको इसका लाभ उठाना है। अपने जीवन में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़िये समाज को कुरीतियों से बचाने के लिए आगे बढ़िये, आपस में मिलजुल कर रहिये और एक दूसरे के सहयोगी बनिये।

प्रतिभा, किसी जाति विशेष और किसी वर्ग विशेष की, आश्रित नहीं होती। अपने संस्कारों और संस्कृति का सम्मान करते हुए आगे बढ़ना ही विकास का मूलमंत्र है। नेतृत्व अर्थात लीडरशिप भी एक विलक्षण प्रतिभा होती है। इसके मूलमंत्र को आत्मसात करने के लिए, अनुभवी व्यक्तियों का मार्गदर्शन बहुत जरूरी है। आज के विद्यार्थी, आने वाले कल के स्वर्णिम भारत देश के निर्माता हैं। अपने इस कर्तव्य को बखूबी निभाने के लिए, आप सबको अपने अंदर छिपी प्रतिभाओं को पहचानना होगा, उसे निखारने की हर सम्भव कोशिश करनी होगी।

राज्य शासन द्वारा आप लोगों के लिए, मार्गदर्शन शिविर का आयोजन, एक अच्छी परम्परा है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश शासन पिछले दस वर्षों से मार्गदर्शन शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन कर रहा है। इसके लिए अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।

आप सभी विद्यार्थियों को, इस शिविर का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। अपनी जिज्ञासाओं को दबाएं नहीं। अपने सपनों को झुठलाएं नहीं। शिविर में आपका मार्गदर्शन करने वाले, सभी विद्वजनों को अपना गुरू मानिये।

मैं आप सभी, के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

जय हिन्द